वसनं, τήν λογομαχίαν GALAN. नीचवाकां चा-

<W>712

712. = Vadda-Kin. Berl. Hdschrr. 218. Galan. Varr. 183. a. न शकां नार्भेत्प्राज्ञ. b. स्रकार्य. c. d. स्वल्पकार्य न कुर्याच्च निष्पत्तं नैव सैवयेत् ॥ μή ἀγαπάτω τὸ ἀνωφελές· μηδέ λεγέτω τὸ ψευδές Galan.

<F>755

755) Kan. 80 bei Haeb. 36 bei Weber, Vrddha-Kan. 8,18. A', 3 bei Galan. Hit.

<F>794

794) Κάν. 42 bei Habb. S. 315. Galan. Varr. 201. Hier lautet aber der Spruch so: Όστις υίους έχει φιλοπάτορας, καὶ γυναϊκα όμογνώμονα, καὶ ἀρκεῖται τοῖς οῖς ἔχει ἀγαθοῖς, τούτῳ ἐνταῦθά ἐστιν ὁ οὐρανος.

<F>932

Aenderung für বান, die dem τὸ ἄσμα des Galanos entspricht.

<F>1082

स्तासं . ७. स्त्रीणां st. तासं , ५ δ'αἰδώς τετραπλασίων Galan. c. पडुणा मह्नणा तासं . d. NOS: "Όστις γινώσκει τὸ νόημα τοῦ νεύματος καὶ τοῦ σχήματος καὶ τὰ τῆς καρδίας τοῦ ἀνθρώπου. c. समयज्ञ: स्वामिभक्त: Çânng.

<F>1221

GALAN. Varr. 47. a. म्रातुरे (हें वेठप्रेहण्डांव GA-LAN.) st. उत्सवे; प्राप्ते, ट्याप्ते und यह st.

<F>1721

übersetzt Galanos: ἐχτὸς γὰρ τῆς θείας γνώσεως, ἡ κατακαίει πάντα τὰ δεινὰ, ὡς τὸ πῦρ τὸ ἐν τῆ συντελεία τοῦ αἰῶνος, καὶ αἰτία γίνεται τῆς ἐντεύξεως τοῦ ὑψίστου Θείου, τὰ λοιπά εἰσιν ἐμπορικὰ ἀνταλλάγματα.

<F>1728

1728) Vikramak. 92. 264. Subhash. 102. Kan. Δ', 8 bei Galan. Galan. Varr. 37. a. 77.

<F>1870

पारिउतिम्; οί θεοί ἄπαντες, ένωθέντες GALAN.

<F>1926

ऽति. b. τί δυςπόριστον τοῖς φιλοπόνοις; Ga-LAN. c. मुविद्याना. शाङ्कमुद् , ή δέ σελήνη ἐκ τῶν άλμυρῶν ύδάτων τῆς θαλάσσης Galan. bei Benfey.

<F>1961

schreiben. Galanos, Hit. 22 übersetzt: Βλέπων δ ἄνθρωπος ἄλλον δραστικώτερον, λογιώτερον, ἢ νουνεχέστερον, ὑποκλινὴς ἔστω,
καὶ συντιθέσθω, καὶ ἔριν μὴ ποιείτω ἐν ἔργοις,
λόγοις, ἢ σκέψεσιν, εἰδώς τὴν ἑαυτοῦ ἀναξιότητα.

<F>2023

übersetzt: ἄφθιτος δ'ἔστιν ἡ μεγάλη δόσις, ἥ ἐστιν ἡ διδομένη ἀσφάλεια καὶ σωτηρία τοῖς ἐμψύχοις.

<W>2119

2119. = Vaddha-Kin. Berl. Hdschrr. 28. Ueberall प्टक्सि मा wie im Subhabe., im Uebrigen wie bei uns. प्टक्सि wird auch Galanos (vgl. Kan. Г' 10) vorgelegen haben,

da er εί ζητεῖς ἀρετήν, μη βλέπε είς την εύμορφίαν u. s. w. übersetzt.

<W>2167

2167. = Vaddha-Kin. Berl. Hdschrr. 30. Neue Varianten: b. धनम् st. कुलम्. с. सिंहि und विद्या. Vgl. Galan. Kin. Г' 12.